चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 12 अगस्त 2026, अंक –334.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

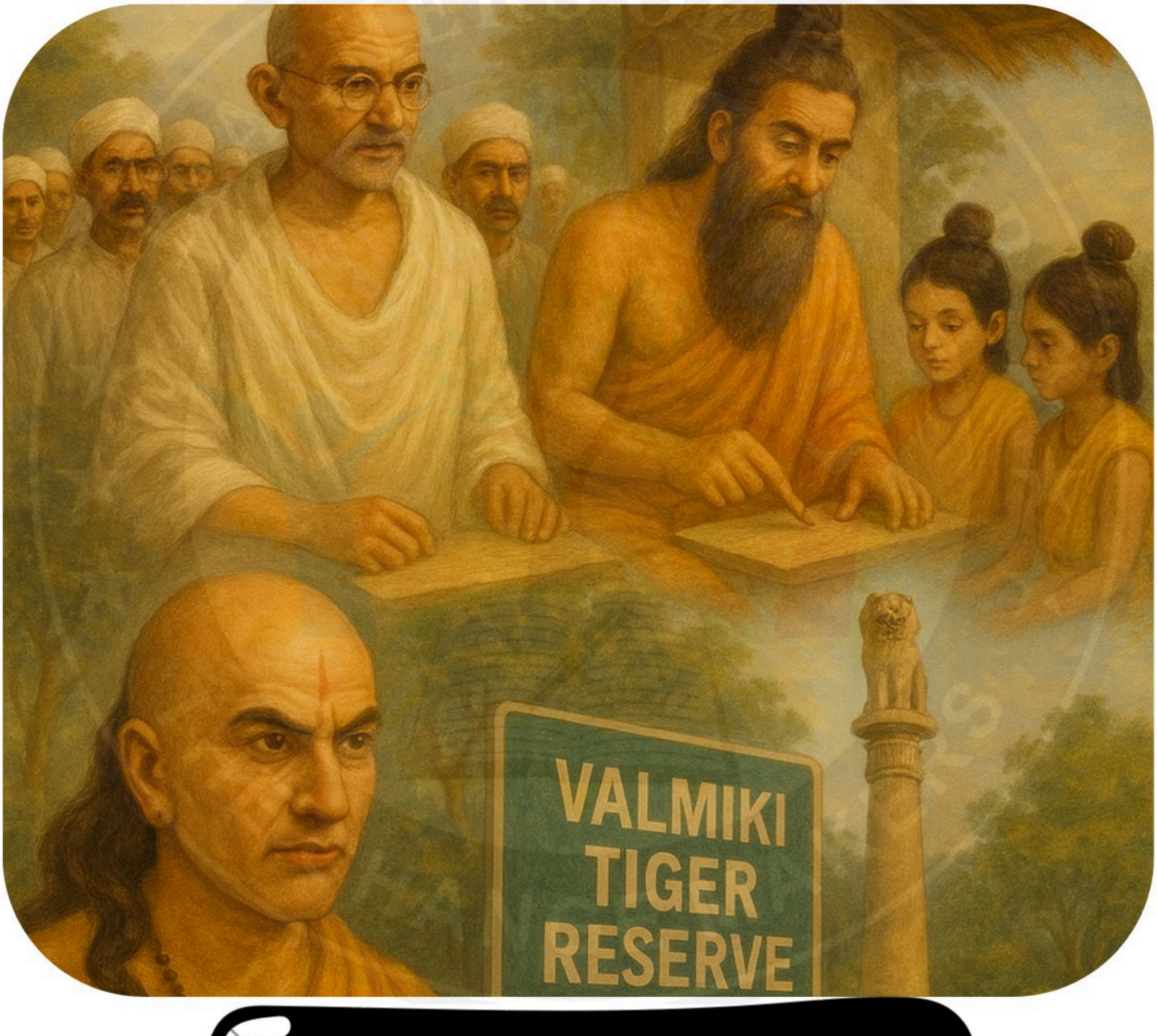

"सच्चा ज्ञान स्वयं की अज्ञानता को जानना है।"

— सुकरात

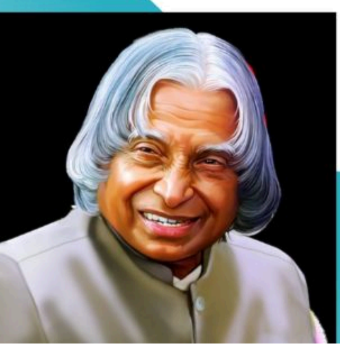

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है...।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है...।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. स्विट्ज़रलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: बर्न
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला डॉक्टर कौन थीं?
उत्तर: आनंदीबाई जोशी
प्रश्न 3. 'ढोल नृत्य' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनृत्य परंपरा है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 16 और 12 का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) क्या है?
उत्तर: 48
प्रश्न 5. नालंदा महाविहार किस प्राचीन शिक्षा-परंपरा के लिए प्रसिद्ध था?
उत्तर: बौद्ध शिक्षा
प्रश्न 6. ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 7. थर्मामीटर में तापमान मापने के लिए किस इकाई का प्रयोग सामान्यतः किया जाता है?
उत्तर: डिग्री सेल्सियस
प्रश्न 8. भारत के संविधान की प्रस्तावना में 'Justice' का हिन्दी अर्थ क्या है?
उत्तर: न्याय
प्रश्न 9. 'जो दूसरों पर उपकार करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: उपकारी
प्रश्न 10. पानी को पीने योग्य बनाने के लिए घर में सबसे सरल उपाय क्या है?
उत्तर: उबालना

संकलन:-
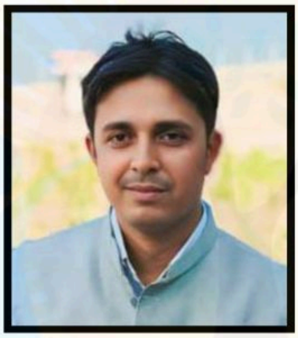
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Kettle – (केटल) – केतली
Saucer – (सॉसर) – प्याली रखने की तश्तरी
Ladle – (लेडल) – कलछी
Grater – (ग्रेटर) – कद्दूकस करने का उपकरण
Colander – (कॉलंडर) – छन्नी / छलनीदार पात्र
Chopping Board – (चॉपिंग बोर्ड) – काटने का पटरा
Peeler – (पीलर) – छिलका उतारने का उपकरण

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम क्यों ... करोगे/करोगी?" (Why will you ...?)

तुम क्यों पढ़ोगे/पढ़ोगी? – Why will you study?
तुम क्यों घर जाओगे/जाओगी? – Why will you go home?
तुम क्यों जल्दी आओगे/आओगी? – Why will you come early?
तुम क्यों यह काम करोगे/करोगी? – Why will you do this work?
तुम क्यों अंग्रेज़ी सीखोगे/सीखोगी? – Why will you learn English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 12 अगस्त को कौन सा महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है और इस वर्ष 2026 की थीम क्या है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (International Youth Day); "Different Contexts, Common Aspirations"

व्याख्या: 12 अगस्त को प्रतिवर्ष "अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस" (International Youth Day) मनाया जाता है। IYD 2026 की थीम है "Different Contexts, Common Aspirations" — जो यह मानती है कि विविध सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिवेशों में रहने के बावजूद युवाओं के लक्ष्य एकसमान हैं: अच्छा स्वास्थ्य, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक भागीदारी, सम्मानजनक कार्य, सुरक्षा और एक टिकाऊ भविष्य। (Wikipedia) दिसंबर 1999 में UN महासभा ने प्रस्ताव 54-120 के माध्यम से 12 अगस्त को IYD घोषित किया था। (United Nations) विश्व में 15-24 वर्ष के लगभग 1.2 अरब युवा हैं जो वैश्विक जनसंख्या का 16% हैं। (National Today) भारत में "जनसांख्यिकीय लाभांश" का पूरा लाभ उठाने के लिए युवा कौशल विकास, NEP 2020 और PM-SETU जैसी योजनाएँ अत्यंत प्रासंगिक हैं।

संदर्भ: UN DESA — social.desa.un.org IYD 2026;

प्र.2. भवाना कंठ किस कारण हाल ही में चर्चा में आईं? (समसामयिक घटना)

उत्तर: IAF की पहली महिला फाइटर कॉम्बैट लीडर

व्याख्या: भवाना कंठ भारतीय वायुसेना (IAF) में फाइटर कॉम्बैट लीडर कोर्स पास करने वाली पहली महिला बनीं — जो युद्धक विमानन में महिला सशक्तिकरण का एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। (Wikipedia) भवाना कंठ 2016 में भारतीय वायुसेना में लड़ाकू पायलट बनने वाली पहली महिलाओं (अभिनंदन वर्तमान के साथ) में से एक थीं। फाइटर कॉम्बैट लीडर कोर्स IAF का सबसे कठिन युद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम है। वे बिहार के दरभंगा जिले की रहने वाली हैं — इसलिए यह बिहार क्षेत्र के छात्रों के लिए विशेष प्रेरणा का विषय है। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर यह समाचार युवा महिलाओं के लिए प्रेरणास्पद है।

संदर्भ: thetargetclasses.com Current Affairs 10 August 2026 — Bhawana Kanth Fighter Combat Leader;

प्र.3. "इग्नाइटेड माइंड्स" (Ignited Minds) पुस्तक के रचयिता कौन हैं जो युवाओं को विज्ञान और तकनीक में देश-निर्माण हेतु प्रेरित करती है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

व्याख्या: "इग्नाइटेड माइंड्स: अनलीशिंग द पावर विदिन इंडिया" (Ignited Minds: Unleashing the Power Within India, 2002) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की एक अत्यंत प्रेरणादायक कृति है जो विशेष रूप से युवाओं के लिए लिखी गई है। इस पुस्तक में उन्होंने 2020 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का स्वप्न प्रस्तुत किया और युवाओं से विज्ञान, तकनीक एवं नवाचार के माध्यम से देश-निर्माण में योगदान का आह्वान किया। "विंग्स ऑफ फायर" (आत्मकथा), "इंडिया 2020", "टर्निंग पॉइंट्स" उनकी अन्य प्रसिद्ध कृतियाँ हैं। अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) पर कलाम जी की 27 जुलाई पुण्यतिथि के निकट यह प्रश्न विशेष प्रासंगिक है।

संदर्भ: डॉ. APJ Abdul Kalam — "Ignited Minds", 2002; Wings of Fire, 1999;

प्र.4. "पेयजल में कोलीफॉर्म जीवाणु" (Coliform Bacteria) की उपस्थिति क्या संकेत देती है और इनका परीक्षण कैसे किया जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: मल-मूत्र प्रदूषण का संकेत; MPN परीक्षण (Most Probable Number Test)

व्याख्या: "कोलीफॉर्म जीवाणु" (Coliform Bacteria) — विशेषतः E.coli — मानव और पशुओं की आँत में पाए जाते हैं। पेयजल में इनकी उपस्थिति यह संकेत देती है कि जल "मल-मूत्र से दूषित" (Fecally Contaminated) है और उसमें अन्य खतरनाक रोगजनक हो सकते हैं। WHO का मानक: पेयजल में कोलीफॉर्म की मात्रा "शून्य" होनी चाहिए। परीक्षण विधि: "MPN परीक्षण" (Most Probable Number Test) — जल के नमूने को लैक्टोज शोरबे में मिलाकर गैस उत्पादन देखते हैं; "H_2S परीक्षण स्ट्रिप" — घरेलू स्तर पर उपयोगी। बिहार के ग्रामीण विद्यालयों में PHED द्वारा निःशुल्क "H_2S स्ट्रिप परीक्षण" उपलब्ध है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms Friend and Foe, p. 17–19;

प्र.5. भारत में "असहयोग आंदोलन" (Non-Cooperation Movement, 1920-22) किस घटना के कारण अचानक वापस लिया गया? (इतिहास)

उत्तर: चौरी-चौरा कांड (4 फरवरी 1922)

व्याख्या: "असहयोग आंदोलन" (1920-22) महात्मा गाँधी का ब्रिटिश शासन के विरुद्ध पहला बड़े पैमाने का जन-आंदोलन था। 4 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के "चौरी-चौरा" में भीड़ ने पुलिस चौकी में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मी मारे गए। इस हिंसक घटना से व्यथित होकर महात्मा गाँधी ने 12 फरवरी 1922 को "बारदोली प्रस्ताव" में आंदोलन वापस ले लिया। गाँधीजी का मानना था कि बिना पूर्ण अहिंसा प्रशिक्षण के जन-आंदोलन खतरनाक हो सकता है। इस निर्णय की कांग्रेस के कई नेताओं — सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू — ने आलोचना की।

संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 22–24.

प्र.6. "भारत में नदी जोड़ो परियोजना" (Interlinking of Rivers Project) का उद्देश्य क्या है और इसके लिए कौन सी संस्था नोडल एजेंसी है? (भूगोल)

उत्तर: जल-अधिशेष नदियों से जल-अभाव क्षेत्रों में जल पहुँचाना; राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (NWDA)

व्याख्या: "राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना" (National River Linking Project — NRLP) का उद्देश्य उन नदियों से अतिरिक्त जल को उन क्षेत्रों में पहुँचाना है जहाँ जल की कमी है। "राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण" (National Water Development Agency — NWDA, स्थापना 1982) इसकी नोडल एजेंसी है। NRLP में दो घटक हैं: (1) हिमालयी घटक: 14 लिंक — गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी प्रणाली; (2) प्रायद्वीपीय घटक: 16 लिंक। "केन-बेतवा परियोजना" इसकी पहली क्रियान्वित लिंक है जो 2025 में शुरू हुई। जल संकट, सूखा और बाढ़ — दोनों समस्याओं के समाधान के रूप में यह परियोजना UPSC में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10, Ch 3 Water Resources, p. 27–29;

प्र.7. "भारत में जनगणना" (Census of India) किस अनुच्छेद के अंतर्गत संघ सूची में है और 2026 में जनगणना किस मंत्रालय के अधीन होती है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 246 + संघ सूची प्रविष्टि 69; गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs)

व्याख्या: जनगणना के लिए महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त (RG&CCI) गृह मंत्रालय के अधीन है और नोडल प्राधिकरण है। (Drishti IAS) भारत में जनगणना "जनगणना अधिनियम, 1948" के अंतर्गत संचालित होती है। यह "संघ सूची" (प्रविष्टि 69) का विषय है जिसका अधिकार केवल केंद्र सरकार को है। भारत में जनगणना 1881 से नियमित रूप से प्रत्येक 10 वर्ष पर होती है। 2021 की जनगणना COVID के कारण विलंबित हुई और 2026 में "विलंबित जनगणना" की तैयारी हो रही है। जुलाई 2026 की CPI मुद्रास्फीति का डेटा 12 अगस्त को जारी होना था। (Wikipedia) जनगणना UPSC GS-I और GS-II दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संदर्भ: legacyias.com Current Affairs 10 August 2026; (Drishti IAS) Census Act 1948;

प्र.8. "फ्लोराइड" को पेयजल से हटाने की प्रमुख तकनीक क्या है जो भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में अपनाई जाती है? (विज्ञान)

उत्तर: Nalgonda तकनीक (फिटकरी + चूना); Defluoridation

व्याख्या: पेयजल से फ्लोराइड हटाने की प्रक्रिया को "डिफ्लुओराइडेशन" (Defluoridation) कहते हैं। भारत में सर्वाधिक प्रयुक्त तकनीक "Nalgonda तकनीक" है जिसे NEERI (National Environmental Engineering Research Institute, नागपुर) ने विकसित किया: (1) जल में फिटकरी (Alum — $KAl(SO_4)_2 \cdot 12H_2O$) और चूना (Lime — $Ca(OH)_2$) मिलाएँ; (2) ये फ्लोराइड आयनों को अवशोषित कर अवक्षेपित (Precipitate) कर देते हैं; (3) फिल्टरेशन से साफ जल मिलता है। अन्य तकनीकें: "Activated Alumina Filter", "Reverse Osmosis (RO)" और "Bone Char"। बिहार के फ्लोराइड प्रभावित जिलों में PHED द्वारा "Defluoridation Plants" लगाए गए हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 2 Acids Bases and Salts — Chemical Treatment;

प्र.9. भारत के "नटराज प्रतिमा" (Nataraja Statue) का कला-ऐतिहासिक महत्व क्या है और यह किस शैली में निर्मित है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: भगवान शिव का तांडव नृत्य रूप; चोल काँसा शैली (10वीं-12वीं शताब्दी)

व्याख्या: "नटराज" (Nataraja — नृत्य के राजा) भगवान शिव का वह रूप है जिसमें वे "तांडव नृत्य" करते हैं। यह प्रतिमा "चोल वंश" (9वीं-13वीं शताब्दी, तमिलनाडु) के काल में "खोई मोम तकनीक" (Lost Wax/Cire-perdue) से काँसे में ढाली गई। नटराज की प्रतीकात्मकता: (1) ऊपरी दाहिना हाथ — डमरू (सृष्टि का ध्वनि-प्रतीक); (2) ऊपरी बाया हाथ — अग्नि (संहार); (3) निचला दाहिना हाथ — "अभय मुद्रा" (भय निवारण); (4) पैर के नीचे "अपस्मार पुरुष" — अज्ञान का दमन। नटराज को "CERN" (जिनेवा) के प्रांगण में स्थापित किया गया है — विज्ञान और कला के संगम का प्रतीक। 2023 में G20 शिखर सम्मेलन (नई दिल्ली) में 27 फीट ऊँची नटराज प्रतिमा स्थापित की गई थी।

संदर्भ: NCERT History Class 6, Ch 11 Buildings Paintings and Books, p. 126;

प्र.10. किस युवा खिलाड़ी ने हाल ही में एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: अरिहा पंगाम्बाम

व्याख्या: अरिहा पंगाम्बाम ने एशियन एरोबिक जिम्नास्टिक में एक उल्लेखनीय भारतीय खेल उपलब्धि के रूप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। (Wikipedia) यद्यपि अरिहा मणिपुर से हैं, किंतु अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर भारत के युवा खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालना महत्वपूर्ण है। बिहार के युवा खिलाड़ियों में भवाना कंठ (दरभंगा, IAF पहली महिला फाइटर कॉम्बैट लीडर), श्रेयसी सिंह (जमुई, निशानेबाज) और चंपारण क्षेत्र के अनेक युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। बिहार सरकार की "खेल नीति 2023" और "मुख्यमंत्री खेल विकास योजना" युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है।

संदर्भ: thetargetclasses.com Current Affairs 10 August 2026;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार – विद्यालय में "WASH (Water, Sanitation and Hygiene)" के अंतर्गत बच्चों को "हाथ धोने के छह चरण" (Six Steps of Handwashing) क्यों और कैसे सिखाने चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: दूषित जल से रोग फैलाव रोकने हेतु; हथेली-उंगलियाँ-अँगूठा-नाखून-कलाई-पानी से धोना

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 के अंतर्गत "WASH" (Water, Sanitation and Hygiene) प्रशिक्षण में "हाथ धोने के छह चरण" (WHO Standard Six-Step Handwashing) अनिवार्य हैं – क्योंकि दूषित हाथों से खाना खाने पर जल-जनित रोग फैलते हैं। छह चरण: (1) हथेलियाँ आपस में रगड़ें; (2) एक हथेली से दूसरे हाथ की पीठ रगड़ें; (3) उँगलियाँ आपस में फँसाकर रगड़ें; (4) उँगलियों की पीठ (पीछे से) रगड़ें; (5) अँगूठे को मुट्ठी में लेकर गोल-गोल रगड़ें; (6) उँगलियों के नाखूनों को हथेली पर रगड़ें, फिर कलाई धोएँ। अवधि: कम से कम 20 सेकंड। साबुन अनिवार्य। विद्यालय में खाने से पहले, शौचालय के बाद और खेलने के बाद हाथ धोना अनिवार्य करें।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 – "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय";

प्र.12. यदि किसी संख्या का 20% और उसी संख्या का 25% जोड़ा जाए तो 135 प्राप्त होता है। वह संख्या क्या है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 300

व्याख्या: माना संख्या = x। शर्त: 20% of x + 25% of x = 135 → (20x + 25x)/100 = 135 → 45x/100 = 135 → x = 135 × 100/45 = 13500/45 = 300। सत्यापन: 300 का 20% = 60; 300 का 25% = 75; 60 + 75 = 135 ✓। यह "प्रतिशत का योग" (Sum of Percentages) का सरल एकचर समीकरण है। BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में इस प्रकार के प्रश्न "Percentage और Linear Equation" को मिलाकर पूछे जाते हैं। स्मरणीय: 20% + 25% = 45%; 45% = 135 → 1% = 3 → 100% = 300।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 Comparing Quantities – Percentage, p. 156–160;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

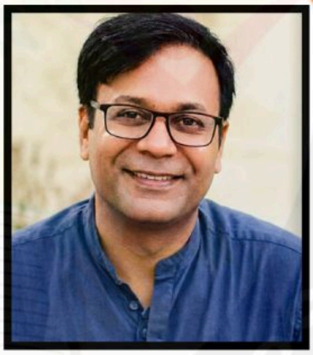

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Austere (ऑस्टियर) = Strict (स्ट्रिक्ट) = कठोर / सादा / संयमित
    Antonym – Luxurious (लक्ज़्यूरियस) = विलासितापूर्ण

Bolster (बोल्स्टर) = Support (सपोर्ट) = समर्थन देना / मज़बूत करना
    Antonym – Undermine (अन्डरमाइन) = कमजोर करना

Complacent (कम्प्लेसन्ट) = Self-satisfied (सेल्फ-सैटिस्फ़ाइड) = आत्मसंतुष्ट / बेपरवाह
    Antonym – Vigilant (विजिलेन्ट) = सतर्क

Deter (डिटर) = Discourage (डिस्करेज) = रोकना / हतोत्साहित करना
    Antonym – Encourage (एन्करेज) = प्रोत्साहित करना

Extol (एक्सटोल) = Praise (प्रेज़) = प्रशंसा करना / गुणगान करना
    Antonym – Denounce (डिनाउन्स) = निंदा करना

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Launches 'National Semiconductor and Quantum Computing Grid 4.0' to Strengthen Indigenous R&D.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास को मजबूत करने के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग ग्रिड 4.0' की शुरुआत की।
केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देश में अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर चिप डिजाइनिंग और क्वांटम प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं के विस्तार के लिए एक नई राष्ट्रीय रूपरेखा अधिसूचित की है। इस पहल के तहत प्रमुख संस्थानों (IITs व NITs) और टेक-स्टार्टअप्स को उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधाएं, आईपीआर (IPR) सहायता तथा अनुसंधान अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Freight and Green Logistics Index 2026', Highlighting State Progress in Dedicated Freight Corridors.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत मालवहन एवं हरित रसद सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें समर्पित माल गलियारों में राज्यों की प्रगति को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC) के कुशल उपयोग, रसद लागत में कमी और वाणिज्यिक बेड़े में इलेक्ट्रिक व हरित वाहनों के त्वरित अपनाने में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय रसद नीति (NLP) के समयबद्ध लक्ष्यों की समीक्षा करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Acceptance Hot Testing of Indigenously Developed High-Thrust Semi-Cryogenic Engine.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने स्वदेशी रूप से विकसित उच्च-थ्रस्ट सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति हॉट परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया। यह पर्यावरण-अनुकूल और लागत-प्रभावी तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे भारत के वाणिज्यिक तथा गगनयान अभियानों को मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Passes Consensus Resolution Establishing 'Global Norms for Responsible Governance of Artificial Intelligence'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार शासन के लिए वैश्विक मानदंड' स्थापित करने वाला सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया।
न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के विशेष सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने एआई प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी उपयोग के लिए एक बहुपक्षीय समझौते को स्वीकार किया। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य डेटा संप्रभुता की रक्षा करना, एआई एल्गोरिदम की जवाबदेही तय करना और विकासशील देशों में डिजिटल विभाजन को कम करना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.5 Billion Clean Energy Transition Fund for South Asia.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशिया के लिए संयुक्त $2.5 बिलियन के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण कोष की घोषणा की।
दक्षिण एशियाई क्षेत्र में कार्बन पदचिह्न (Carbon Footprint) को घटाने और सौर व जलविद्युत क्षमताओं को राष्ट्रीय ग्रिडों से जोड़ने के लिए यह पैकेज जारी किया गया है। इस राशि का प्राथमिक उपयोग भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने में किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 3.0' for Real-Time Epidemic Early Warning.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने वास्तविक समय में महामारी की पूर्व चेतावनी के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 3.0' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण उभरते संक्रामक रोगों और उनके म्यूटेशन की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Export Promotion Policy 2026' to Subsidize Rural Agro-Units.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-इकाइयों को सब्सिडी देने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण और निर्यात प्रोत्साहन नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके अंतर्गत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के मूल्य संवर्धन (Value Addition) तथा निर्यात इकाइयों की स्थापना के लिए सब्सिडी और रियायती दरों पर बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाएगा।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetlands in Gandak-Kosi Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक-कोसी बेसिन की आर्द्रभूमियों (वेटलैंड्स) की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी बिहार की प्राकृतिक आर्द्रभूमियों और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य अतिक्रमण रोकना, प्राकृतिक जल संचयन को बढ़ावा देना और क्षेत्र में भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Squad Clinches Gold and Silver Medals in Recurve and Compound Events at World Archery Stage Competition.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी चरण प्रतियोगिता में रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में शानदार जीत दर्ज की। इस सफलता से भारत ने प्रतियोगिता की समग्र पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत की है।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Unveils Updated Athlete Workload and Recovery Guidelines for Global Events.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार और रिकवरी दिशानिर्देश जारी किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक सहनशक्ति बनाए रखने और चोटों से बचाव के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"बदलाव की शुरुआत"

विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियाँ चल रही थीं। मैदान में कुछ विद्यार्थी कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे, तभी उन्हें विद्यालय के पीछे कूड़े का ढेर दिखाई दिया।

रोहन ने कहा, "यह जगह कितनी गंदी है! यहाँ बैठना भी मुश्किल है।"

संकल्प बोला, "हम शिकायत तो रोज करते हैं, लेकिन इसे साफ करने की पहल कौन करेगा?"

कुछ देर सभी एक-दूसरे का चेहरा देखते रहे। फिर संकल्प ने कहा, "क्यों न शुरुआत हम ही करें?"

अगले दिन पाँच दोस्तों ने दस्ताने पहने, कचरा अलग-अलग किया और विद्यालय के आसपास सफाई की। उन्होंने प्लास्टिक, कागज और गीले कचरे को अलग किया। फिर उन्होंने वहाँ पौधे लगाने का निर्णय लिया।

कुछ विद्यार्थियों ने उनका मजाक उड़ाते हुए कहा, "तुम लोग पढ़ाई छोड़कर सफाई कर्मचारी बन गए हो क्या?"

संकल्प ने मुस्कुराकर जवाब दिया, "नहीं, हम विद्यार्थी हैं। लेकिन अपने विद्यालय को स्वच्छ रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।"

धीरे-धीरे दूसरे बच्चे भी उनके साथ जुड़ने लगे। एक सप्ताह में विद्यालय का पिछला हिस्सा साफ और सुंदर हो गया। शिक्षकों ने भी बच्चों के प्रयास की सराहना की।

प्रार्थना सभा में प्रधानाचार्य ने कहा, "युवा शक्ति केवल बड़े सपने देखने में नहीं, बल्कि उन सपनों को पूरा करने के लिए पहला कदम उठाने में है। बदलाव के लिए उम्र नहीं, इच्छाशक्ति चाहिए।"

संकल्प ने अपने साथियों की ओर देखा। उसे महसूस हुआ कि पाँच बच्चों से शुरू हुआ छोटा-सा प्रयास पूरे विद्यालय की सोच बदल चुका था।

उस दिन बच्चों ने समझा कि देश और समाज को बदलने के लिए हमेशा किसी बड़े अवसर की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए। जहाँ समस्या दिखाई दे, वहीं से समाधान की शुरुआत कर देनी चाहिए।

शिक्षा: युवा शक्ति की असली पहचान उम्र नहीं, बल्कि जिम्मेदारी उठाने और बदलाव की शुरुआत करने का साहस है। 🇮🇳

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, बौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : गया, अंक–2"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: गया: बोधि का प्रकाश, फल्गु का मोक्ष-तीर्थ और बराबर का स्थापत्य

गया का इतिहास केवल कालखंडों का ब्यौरा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानव सभ्यता और चेतना के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मुकुटमणि है। इस भूमि का सर्वोपरि गौरव बोधगया (Bodh Gaya) है, जहाँ पीपल के पावन बोधि वृक्ष के नीचे तपस्यारत सिद्धार्थ को बैशाख पूर्णिमा के दिन परम ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे 'बुद्ध' कहलाए। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित और कालांतर में पुनर्गठित महाबोधि मंदिर (Mahabodhi Temple), जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है, विश्व भर के बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे पवित्र स्थान है। इसका अष्टकोणीय शिखर और प्राचीन पाषाण वेदिकाएं स्थापत्य कला की उस पराकाष्ठा को दर्शाती हैं जिसने एशिया महाद्वीप में शांति, प्रज्ञा और करुणा के संदेश का विस्तार किया।

सनातन परंपरा में गयाजी को संपूर्ण आर्यावर्त में 'पितृमुक्ति का सर्वोच्च तीर्थ' माना जाता है। फल्गु नदी के तट पर स्थित विष्णुपद मंदिर (Vishnupad Temple), जिसका निर्माण 18वीं शताब्दी में इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कसौटी पत्थर से करवाया था, भगवान विष्णु के पदचिह्नों पर प्रतिष्ठित है। प्रतिवर्ष आश्विन मास में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय पितृपक्ष मेला (Pitrupaksha Mela) सदियों से चला आ रहा एक विशाल आध्यात्मिक समागम है, जहाँ देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपने पूर्वजों (पितरों) के तर्पण और पिंडदान के लिए आते हैं।

स्थापत्य और पुरातात्विक दृष्टि से गया की बराबर और नागार्जुनी पहाड़ियाँ (Barabar Caves) भारत के संपूर्ण इतिहास की सबसे अमूल्य धरोहरों में से एक हैं। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक और उनके पौत्र दशरथ द्वारा आजीविक संप्रदाय के संतों के लिए चट्टानों को तराशकर बनाई गई ये गुफाएँ (जैसे कर्ण चौपर, सुदामा गुफा और लोमस ऋषि गुफा) भारत की प्राचीनतम गुफा-वास्तुकला (Rock-cut Architecture) के उदाहरण हैं। इन गुफाओं की भीतरी दीवारों पर की गई मौर्यकालीन पॉलिश आज हजारों साल बाद भी शीशे की तरह चमकती है, जो उस युग की बेजोड़ इंजीनियरिंग क्षमता का साक्ष्य प्रस्तुत करती है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में भी गया की भूमिका अत्यंत गौरवशाली रही है। सन 1922 का गया कांग्रेस अधिवेशन (जिसकी अध्यक्षता देशबंधु चितरंजन दास ने की थी) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इतिहास का एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहाँ से स्वराज पार्टी के गठन की नींव पड़ी। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान गया के युवाओं और किसानों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका था। टिकारी, गुरारू और गया शहर के अमर शहीदों की कुर्बानियों ने इस पौराणिक भूमि को राष्ट्रवाद की इंकलाबी ज्योति से आलोकित किया।

गया का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की माटी में बौद्ध दर्शन की प्रज्ञा, सनातन तर्पण का मोक्ष-बोध और मौर्यकालीन कला का गौरव एक साथ बहता है। बोधि वृक्ष की अमर छाया हो, विष्णुपद धाम का शंखनाद हो या बराबर की गुफाओं की पाषाण-ध्वनि —ये सभी तत्व मिलकर गया को विश्व संस्कृति की अमर धरोहर बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org